ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट

वर्ष-4 अंक : 47

सहयोग शुल्क : रु. 1 / नवंबर : 2020

दिव्यांग सेतु

संपादक :- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

विकलांगों को बोझ ना समझो,
समाज का सहायक समझो...
- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

हर एक दिव्यांग लाचार नहीं,
पूरी तरह से सक्षम है...
- प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेबल, पाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटीसे असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदन-पत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाण-पत्र/दस्तावेज

सिविल सर्फर का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाण-पत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाण-पत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

"ऐसा कहा जाता है की इस दुनिया में असंभव कुछ भी नहीं है। जो कुछ हम सोच सकते है वो सब कुछ हम कर सकते है और हम वो सब कुछ सोच सकते है, जो आज तक हमने नहीं सोचा।"

भगवान ने यदि हमें कुछ कमियां दी और हम दिव्यांग है तो क्या हुआ ? अपने इरादों को इतना मजबूत रखना की आप दिव्यांग से 'दिव्य' बन जाओ। उन तमाम दिव्यांगो के लिए एक मिशाल बन जाओ, जो निराशा के सागर में डूब जाते है। अपनी शारीरिक असक्षमता को कभी भी हार न माने सिर्फ एक बात याद रखे की... "मानवीय क्षमता से बड़ी और कोई चीज हो ही नहीं सकती।" किसी भी तरह की विपरीत परिस्थिति में भी आपकी सोच, आपके इरादे, आपका बुलंद हौसला हमेशा आपको आगे बढ़ने में मदद करेंगे और इसी जज्बे के साथ आप भी दुनिया में सब कुछ जीत पाओगे जिसे आप जीतना चाहते हो... मुश्किलें और हमारी सोच एक दूसरे के साथ जुड़े हुए है इसलिए कहते है की...

जब दिमाग कमज़ोर होता है, परिस्थितियां समस्या बन जाती है...
जब दिमाग स्थिर होता है, परिस्थितियां चुनौती बन जाती है...
जब दिमाग मजबूत होता है, परिस्थितियां अवसर बन जाती है...

किसी भी विपरित परिस्थिति में हमेशा सकारात्मक सोच के साथ बने रहे, एक दिन सफलता आपके कदमों में होगी... अगर आपके साथ चमत्कार नहीं हो सकता, तो खुद एक चमत्कार बन जाए...

आप सभी को निवेदन है की "दिव्यांग सेतु" पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु आपके आसपास दिव्यांगजनो के अनुलक्ष में हुए कार्यक्रम या कोई दिव्यांग व्यक्ति की जानकारी का ब्यौरा भी आप हमें भेज सकते है...

आओ, आप भी दिव्यांगजनो के इस सेवायज्ञ में हमारा साथ दे...

दिव्यांग सेतु

मासिक पत्रिका

नवंबर : 2020, पृष्ठ संख्या : 16
वर्ष : 4 अंक : 47

प्रेरणास्त्रोत और संपादक

संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

सह-संपादक

मिहिरभाई शाह

मो. 97241 81999

संपर्क-सूत्र

सेवा समर्पण फाउण्डेशन

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)

Trust Reg. No. : E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,
अन्नपूर्णा पार्टी प्लाट के सामने,
नया विकासगृह रोड, पालडी,
अहमदाबाद - ३८०००९
(मो.) 99749 55365, 9974955125

मुद्रक

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.
आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6
Phone : 079 26405200

★ इस दिपावली में दिव्यांग बच्चों की बनाई हुई मोमबत्तियां से रोशन होंगे हजारो घर :-

बाबा सुंदर "सह मूक बधिर विद्यालय कानूनगोपुरा के दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई गई मोमबत्ती से दिपावली में लोगों के घर रोशन होंगे ।" बच्चों ने विद्यालय प्रबंधक के सहयोग में कई किस्म की मोमबत्तियां बनाई है । इन मोमबत्तीयों से इस साल हजारो घरों में ऊजाला होगा । यहां पढ़नेवाले बच्चें शिक्षा के साथ अपने हुन्नर से मोमबत्तियां बनाकर लोगों के घरो में उजियारा फैला रहे है ।

विद्यालय में पढ़नेवाले बच्चे भले ही दिव्यांग है, लेकिन इनके हुनर का हर कोई कायल है । मोमबत्ती से होनेवाली आय दिव्यांग बच्चों को त्योहार में उपहार देगी । विद्यालय प्रबंधक ने इस विषय में बताते हुए कहा की बच्चों को व्यस्त रखने के लिए यह कदम विद्यालय द्वारा उठाया गया था । उन्होंने बताया की अभिभावकों ने बच्चों को व्यस्त रखने का सुझाव दिया । इसके बाद बच्चों को यहां पर मोमबत्ती बनाना सिखाया गया । इससे अर्जित धन से गरीब बच्चों की पढ़ाई के साधन व ड्रेस उपलब्ध कराई जाती है । मोमबत्ती बनानेवाले बच्चों को उपहार, कपड़े व

अन्य सामान भी दिया जाता है। इसके अलावा उन्हें रोजगार के प्रति भी जागरूक किया जाता है।

विद्यालय के पांच बच्चे प्रांशु, विकास, समीर, अमरजीत और स्वाती ने मिलकर बनाई है दो क्विंटल मोमबत्ती। डॉ. बलमीत कौर के सहयोग से विभिन्न प्रकार की अलग-अलग साइज़ व रंगो की मोमबत्तियां तैयार की गई है। खिलौने के आकार के कारण यह मोमबत्तियां बच्चों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहेगी। मीनार, गुलाब, टैडी वियर, पेंसिल जैसे कई आकार की मोमबत्तियां बनाई गई है। दिपावली पर्व पर इससे लोगों के घरों में तो उजियारा फैलेगा ही, साथ ही दिव्यांग बच्चों को मदद भी मिलेगी... उनका हौसला भी बढ़ेगा।

आप सभी को इस "दिव्यांग सेतु" पत्रिका के माध्यम से हमारा अनुरोध है की आप भी ऐसे दिव्यांग बच्चों के द्वारा बनाई गइ दिपावली डेकोरेशन की चीजें खरीदने का आग्रह रखे। उनका हौसला बढ़ाइए और उनकी मेहनत को सफल करने में उनके साथे रहे दिव्यांग बच्चों के चहेरे पर खुशी का कारण यदि हम बन सके तो इससे बड़ा और कोई सौभाग्य नहीं हो सकता।

आईए, हम सब मिलकर संकल्प करे, "दिव्यांगो की मदद करे"।

कोरोना की इस वैश्विक महामारी में मनोदिव्यांग बच्चों के ऑनलाईन गरबा

मनोदिव्यांग बच्चों के गरबा हरिफाई के सार्वजनिक कार्यक्रम हर साल मनाए जाते है, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इस साल यह त्योहार ऑनलाइन मनाए जा रहे है । ऐसा ही एक आयोजन नवजीवन चेरीटेबल ट्रस्ट संचालित डॉ. हरिकृष्ण डाह्याभाई स्वामी स्कूल फोर मेन्टली डिसेबल मेमनगर के मनोदिव्यांग विद्यार्थीओं के लिए इस साल किया था । जिसके भाग रूप 'वर्च्युअल गरबा कार्यक्रम ऑनलाईन' लायन्स क्लब संवेदना के सहकार से रखा गया था, जिसमें ४० विद्यार्थी ने ऑनलाईन कार्यक्रम में जुड़े थे । सभी विद्यार्थी ट्रेडीशनल ड्रेस में थे और उनके परिवार वालों के सहकार ने ऑनलाईन कार्यक्रम में ऑफलाईन कार्यक्रम जैसा माहोल सजा दिया था । बहुत ही आनंद और रोमांच के साथ सभी विद्यार्थी अपने घर गरबा खेल रहे थे और उनके घरवाले भी गरबा खेल रहे थे । इस कार्यक्रम में भाग लिये हुए विद्यार्थीओं को टोकन ईनाम और बेस्ट ड्रेसींग तथा बेस्ट परफोर्मन्स के पांच मुख्य ईनाम रोकड स्वरूप Paytm के माध्यम से वितरण किए थे । हर साल जैसे हॉल में नवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है, वैसा ही माहोल ऑनलाईन गरबा में दिखाई दे रहा था । संस्था का ऑनलाईन त्योहार मनाने का यह प्रयत्न बहुत ही प्रसंशनीय है ।

★ AICTE "प्रगति और सक्षम छात्रवृत्ति योजना" - २०२०-२१

शिक्षा मानवजीवन के मुख्य पहलुओं में से एक है। इस लेख के अंतर्गत हम बात करेंगे प्रगति और सक्षम छात्रवृत्ति प्राधिकरणों से छात्रवृत्ति के बारे में सभी जानकारी प्रदान करेंगे, जिसे आप प्रगति और सक्षम छात्रवृत्ति योजना-२०२०/२१ के लिए लागु कर सकते है। प्रगति और सक्षम छात्रवृत्ति योजना एक MHRD योजना है जिसे अखिल भारतीय शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है जिसमें....

★ प्रगति छात्रवृत्ति योजना :-

इस योजना के अंतर्गत भारतवर्ष की कुल ४००० छात्राओं को ३० हजार रुपये तक की ट्युशन फीस की मदद छात्रवृत्ति के रूप में दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा क्षेत्र में लड़कीयों की उन्नति के लिए सहायता प्रदान करना है। विकास की प्रक्रिया में पूरी तरह से भाग लेने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास के साथ महिलाओं को सशक्त बनाने का सबसे महत्त्वपूर्ण साधनो में से एक है। यह युवा महिलाओं को अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने और "तकनीकी शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने" के द्वारा एक सफल भविष्य के लिए तैयार करने का अवसर है।

ALL INDIA COUNCIL FOR TECHNICAL EDUCATION
(A Statutory Body of the Govt. of India)

PRAGATI AND SAKSHAM SCHOLARSHIP
for Girls and Differently Abled Students

★ सक्षम छात्रवृत्ति योजना :-

इस योजना का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करना है। यह प्रत्येक युवा छात्र को देने का एक प्रयास है, जो अन्यथा विशेष रूप से अभिमानित है, यह अवसर बहुत अधिक अध्ययन करता है और एक सफल भविष्य की तैयारी करता है।

★ प्रगति और सक्षम छात्रवृत्ति योजना की मुख्य विशेषताएं :-
(Silent features of Pragati and Saksham Scholarship Scheme)

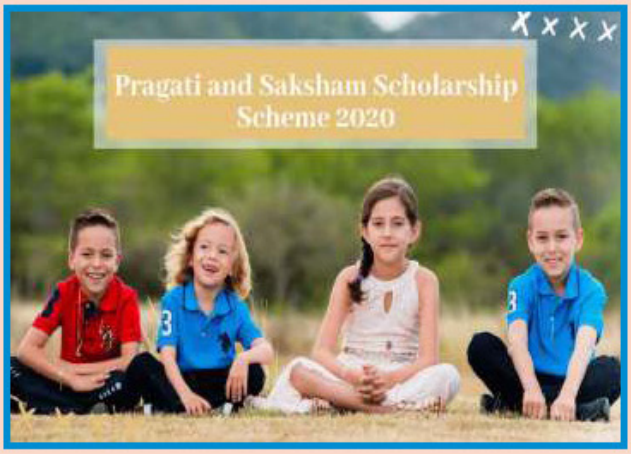

→ सक्षम योजना के लिए छात्रवृत्ति की कुल संख्या १००० प्रति वर्ष
(डिग्री के लिए ५०० और डिप्लोमा के लिए ५००)

→ प्रगति योजना के लिए प्रति वर्ष छात्रवृत्ति की कुल संख्या - ४०००
(डिग्री के लिए २००० और डिप्लोमा के लिए २०००)

→ उम्मीदवार को राज्य/केन्द्र सरकार की केन्द्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से संबंधित वर्ष के किसी भी ए.आई.सी.टी.ई. अनुमोदित संस्थान के किसी भी डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश दिया जाना चाहिए।

→ डिग्री/डिप्लोमा स्तर के किसी भी कार्यक्रम में पात्र आवेदक की अनुपलब्धता की स्थिति में डिग्री और डिप्लोमा के लिए छात्रवृत्ति उपलब्ध है।

→ प्रति परिवार दो बालिकाएं पात्र है, जिनकी पारिवारीक आय पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष (विवाहीत लड़की के मामले में माता-पिता/ससुराल की आय, जो भी अधिक होगी, माना जाएगा) के दौरान ८ लाख प्रति वर्ष से अधिक नहीं है।

→ उम्मीदवार का चयन किसी भी ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित संस्थान से संबंधित तकनीकी डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम से बचने के लिए योग्यता परीक्षा के आधार पर किया जाएगा।

→ छात्रवृत्ति की राशि : ट्युशन फीस ३०,०००/- रुपये की या फिर वास्तविक जो भी कम हो और रु.२,०००/- प्रति माह १० महिने के लिए प्रति वर्ष आकस्मिक शुल्क के रूप में दिये जाएंगे।

★ प्रगति और सक्षम छात्रवृत्ति योजना-२०२० के लिए आवश्यक दस्तावेज :-

(१) कक्षा Xth / XIIth की मार्कशीट जो लागु हो
(२) आय प्रमाणपत्र
(३) डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए तकनीकी शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी प्रवेशपत्र
(४) संस्थान के निदेशक / प्राचार्य / प्रमुख द्वारा जारी प्रमाणपत्र
(५) शिक्षण शुल्क रसीद
(६) आधार कार्ड नंबर से लींक खाता संख्या, IFSC कोड और फोटोग्राफ को दर्शानेवाले छात्र के नाम से बैंक पासबुक की कॉपी
(७) SC / ST / OBC वर्ग के लिए जाति प्रमाणपत्र
(८) आधार कार्ड
(९) माता-पिता द्वारा घोषणा पर विधिवत हस्ताक्षर किये गए की उनके बच्चे द्वारा प्रदान की गई जानकारी सही है और किसी भी स्तर पर गलत पाए जाने पर छात्रवृत्ति वापस कर दी जाएगी।

★ प्रगति और सक्षम छात्रवृत्ति योजना आवेदन पत्र - २०२०

इस योजना का लाभ उठाने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया हर वर्ष सितम्बर से अक्टूबर माह के बीच शुरू होती है। ए.आई.सी.टी.ई. काउंसील के द्वारा मान्यता प्राप्त कॉलेज में पढ़नेवाली छात्राएं इस योजना के लिए आवेदन कर सकती है। आप नीचे दिये गए विधि से इस योजना के लिए आदेवन कर सकते है।

→ सबसे पहेले आपको AICTE की आधिकारिक वेबसाईट पर जाना होगा।
https://www.aicte-pragati-saksham-gov.in/
→ इसके बाद आपको सबसे पहेले अपना पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) करना होगा।
→ पंजीकरण के बाद आपको एक पास आई.डी. और पासवर्ड मिलेगा, जिसकी मदद से आप लॉगीन करे।
→ लॉगीन करने पर आपको प्रगति और सक्षम छात्रवृत्ति योजना में आवेदन करने के लिए एक-एक आवेदनपत्र मिलेगा। आवेदनपत्र में मांगी गई सभी जानकारी को सही से भर दे, जानकारी बताने के बाद उसमें मांगे गए दस्तावेज को स्कैन कर के अपलॉड कर दे और सबमीट कर दे।
→ जब आपका आवेदन चुन लिया जाएगा तो आपको मोबाईल और ईमेल आई.डी. द्वारा सूचित कर दिया जाएगा।

★ हौंसले के आगे हार गई मुश्किलें, कठोर परिश्रम के दम पर 'यश' ने हांसिल किया IIM लखनऊ का मुकाम :-

ऐसा कहते है की अगर आपके अंदर कुछ कर गुजरने का जज्बा है तो बड़ी मुश्किलों को भी आप आसानी से हराकर आगे बढ़ सकते है, कुछ ऐसी ही कहानी मुंबई के रहेनेवाले यश अवधेश गांधी की है जिनके रास्ते में कई मुश्किलें आई लेकिन उन्होंने मुश्किलों को मात देते हुए अपने लिए अलग ही मुकाम हांसिल किया । सेरेब्रल पाल्सी, डिसर्थिया, डिस्लेक्सीया जैसी गंभीर बीमारीओं से जूझते हुए यश ने ९२.५% के साथ कैट-२०१९ परीक्षा पास कर नज़ीर पेश की है। अब आई.आई.एम.-लखनऊ के छात्र २१ वर्षीय यश पीछले एक महिने से मुंबई स्थित अपने घर से ही ऑनलाईन क्लास में शामिल हो रहा है।

कई बीमारीओं का सामना कर अपने टार्गेट तक पहुंचे यश बताते है कि "मैं नंबरो को लेकर समस्याओं का सामना करता हूं । इसलिए मुझे ज्यादा महेनत करनी पडी । विशेष रूप से क्वांटीटेटीव एबिलीटी सेलेक्शन में यह कठिन जरूर था, लेकिन नामुमकीन नहीं था ।" यश को लिखित परीक्षा देने के लिए एक राईटर की जरूरत पड़ी, क्योंकि उन्हें चलने में कठिनाई होती थी, लेकिन फिर भी वह मुंबई की लोकल ट्रेनो में यात्रा करते है, वह ठीक से बोल नहीं पाते है लेकिन अपने विचारों और भावनाओं को स्पष्टता के साथ जाहीर करते है।

★ 'यश' ने इसलिए चुना IIM-लखनऊ :-

यश ने कैट के लिए जुलाई-२०१८ में तैयारी शुरू कर दी थी, जब वह अपने ग्रेज्युएशन के सेकंड यर में थे । उनकी कडी मेहनत रंग लाई और कैट पास करने के बाद उन्हें कोज़िकोड और इंदौर सहित कई आई.आई.एम. में इन्टरव्यु कॉल आए, लेकिन उन्होंने लखनऊ ही चूना क्योंकि इसकी रैंकींग ज्यादा बहेतर है। इसके बाद उन्होंने शैक्षणिक सत्र २०२०-२२ के लिए विकलांग कोटा के तहत IIM-लखनऊ में दाखिला लिया।

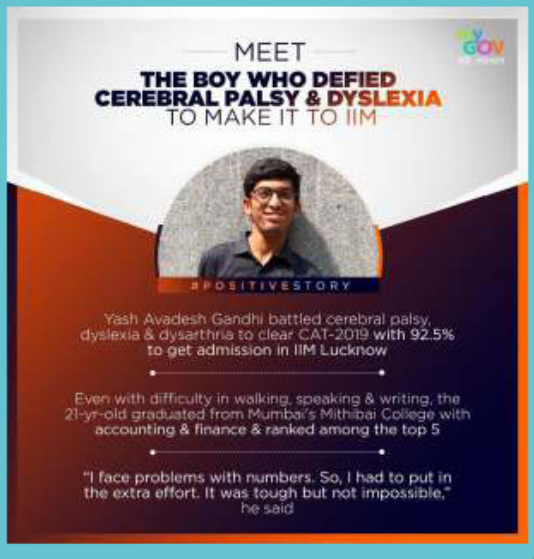

यश के माता-पिता ने हमेशा यश का साथ दिया है । एक निजी कंपनी में काम करनेवाले यश के पिता अवधेश गांधी बताते है की "जब उसने स्कूल जाना शुरू किया तो उसे सीखने में धिक्कत हुई और वह अपने सहपाठीओं से प्रति स्पर्धा नहीं कर पा रहा था । उसे आम बच्चों की अपेक्षा ज्यादा मेहनत करनी पड़ी।" उन्होंने कहा की कैट की तैयारी के दौरान एक पड़ाव ऐसा भी आया जब यस इतना उदास था की उसने इसे छोड़ देने का फैसला किया था । लेकिन माता-पिता के समजाने पर उसने अपने हौंसले को कमज़ोर नहीं पड़ने दिया और आज अलग ही मुकाम हांसिल किया । यस की सफलता धैर्य और प्रतिबद्धता की एक आदर्श कहानी है।

★ गुजरात की मानसी जोशी टाईम मेगेज़िन के कवर पर चमकी :-

भारत की दिव्यांग बेटी की तस्वीर को दुनिया की प्रतिष्ठित टाईम मेगेज़िन ने अपने कवर पेज पर छापा है। मानसी जोशी पैरा बेडमिन्टन चैंपियनशीप में भी गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुकी है। इस कदम से उन निराश दिव्यांगो में जीवन जीने के प्रति एक अजब उत्साह जगा है।

गुजरात की मानसी जोशी को टाईम मेगेज़िन द्वारा नेक्स्ट जनरेशन लीडर्स की सूचि में प्रमुख स्थान दिया गया है । मानसी ने गत वर्ष स्विट्ज़रलेन्ड में बी.डबल्यु.एफ. पैरा बेडमिन्टन वर्ल्ड चैंपियनशीप में गोल्ड मेडल प्राप्त की थी ।एक दुर्घटना में अपया बाँया पैर गंवाने के बाद भी पैरा बेडमिन्टन चैंपियनशीप में प्राप्त सफलता के लिए टाईम मेगेज़िन ने मानसी को अपनी अग्रिम पहचान प्रदान की है । मूल राजकोट में जन्मी मानसी जोषी ने मुंबई में बेडमिन्टन की ट्रेनींग ली थी ।

टाईम मेगेज़िन के कवर पेज पर फोटो आने के संबंध में बात करते हुए मानसी कहती है की, "बहुत कम भारतीयों को टाईम मेगेज़िन में कवर पेज पर झलकने का अवसर मिलता है । ऐसे में हर एक भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है । मैं स्पोर्ट्स के माध्यम से लोगों की विचारधारा बदलना चाहती हूं । मुझे लगता है की टाईम मेगेज़िन के इस कार्य से लोगों के मन से डिसेबिलीटी की धारणा बदलेगी ।"

★ इक्वालिटी की विचारधारा पर आधारित मानसी की बार्बी डॉल तैयार की गई :-

"इन्टरनेशनल गर्ल चाईल्ड डे" पर बार्बी कंपनी ने मानसी की बार्बी डॉल तैयार की है । बार्बी डॉल बनानेवाली कंपनी इक्वालिटी की विचारधारा पर अधिक फोकस रहकर अपने डॉल्स तैयार करती है और बार्बी ने इस विचारधारा के आधारित मानसी जोशी की डॉल बनाई है ।

★ घर-घर "मास्क-राशन" बांट रही है दिव्यांगो की दिव्य टीम :-

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की रोकथाम के मद्देनज़र संकट की इस घड़ी में लोगों को बचाने के लिए दिव्यांगजन अपनी जान की परवाह किए बिना दूसरों की मदद के लिए आगे आ रहे है। दिव्यांगो की एक दिव्य टीम घर-घर मास्क और राशन पहुंचाने में जुटी हुई है। शारीरिक रूप से सक्षम लोगों को मानवता की नई इबारत पढ़ाने में जुटी यह दिव्यांग टीम, मुरादाबाद के हमीरपुर गांव के दिव्यांग सलमान खान की अनुवाई में लगातार आगे बढ़ रही है।

उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद में हमीरपुर गांव के निवासी सलमान बचपन से ही दिव्यांग

है। सलमान खान की चप्पल और डीटर्जन्ट बनाने की फैक्टरी है। कोरोना की इस वैश्विक महामारी के कारण उसका काम बंद है और दिव्यांग मजदूर भी खाली बैठे है। ऐसे में एक नेक कार्य को परवान चढ़ाने का निर्णय लिया गया। यहां कार्य करनेवाले ३० दिव्यांग खुद मास्क बना रहे है और उन्हें घर-घर पहुंचाने में जुटे है।

सलमान खान ने कहा, "ऐसे कठिन वक्त में खुद को सुरक्षित हुए दूसरों की मदद को आगे बढ़ने का फैंसला सबके सामुहिक निर्णय के बाद लिया गया। अब हम अपने पैसो से जरूरतमंदो में मास्क और राशन बांटने का कार्य कर रहे है। खुदा के करम से इससे दिल को अलग सा सुकुन मिल रहा है।" कोरोना से रोकथाम व दूसरों की मदद के इस नेक कार्य में सलमान एक नज़ीर के रूप में देखे जा रहे है। वजह, वे खुद की मास्क तैयार कर रहे है। उनके साथी उन्हें घर-घर जाकर निःशुल्क बांटने में मदद कर रहे है।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सलमान के इस जज्बे को अपने रेडीयो कार्यक्रम "मन की बात" में सलाम किया था। इसके बाद तो सलमान दोगुना रफ्तार से इस कार्य को परवान चढ़ाने में जुट गए। दिव्यांग सलमान ने बताया की उसकी फैक्टरी करीब ८ माह पहले शुरू हुई थी। इसमें जो भी कमाई की थी उन्होंने उससे मास्क बनाने और जरूरतमंदो के लिए राशन इकट्ठा करने में खर्च कर दिया है। सलमान ने इस नेक कार्य में अपनी कमाई का पूरा हिस्सा खर्च दिया है। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात में जिक्र करने के बाद कंपनी की सेल बढ़ गई थी। उसी दौरान एकत्रित किये गए पैसों को हमने इस कार्य में लगाया है। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री की प्रेरणा ने हमारी दिव्यांग टीम को कोरोना से शुरू हुई जंग में बहुत आगे बढ़ा दिया है।

इस तरह कोरोना के इस वैश्विक संकट में दिव्यांग सलमान और उसकी दिव्यांग टीम ने इस नेक कार्य के द्वारा समाज को एक बहुत बड़ा मानवता का उदाहरण दिया है।

★ कभी झुग्गी में रहनेवाली उम्मुल खेर के IAS बनने की रोमांचक और रोंगटे खड़े कर देनेवाली कहानी.....

यह बात है एक ऐसी लड़की की जिसने चुनौतियों का मुकाबला करते हुए अपने बुलंद हौंसलो के दम पर अपनी कहानी खुद लिखी है ।।IAS उम्मुल खेर उन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है जो संशाधन न होने का बहाना बनाते है । उम्मुल खेर पांच साल की उम्र में दिल्ली आ गई थी ।दिल्ली में उनका बचपन हजरत निज़ामुद्दीन स्टेशन के पास झुग्गीओं में बीता । कुछ सालों बाद झुग्गीयां वहां से हटा दी गई और उम्मुल परिवार बेघर हो गया ।

गरीबी, बीमारी, हड्डियों की बीमारी, फ्रैंक्चर और ऑपरेशन झेलकर भी उम्मुल खेर IAS बनी । ज़िंदगी में परेशानियां किसी के साथ बचपन से ही जुड़ी होती है । उम्मुल खेर ने अपनी ज़िंदगी को ऐसे ही देखा । कभी पढ़ने के लिए तो कभी अपना जीवन बचाये रखने के लिए उन्होंने संधर्षों से बाथ भीड़ी । मूंगफली बेचनेवाले पिता की बेटी और हड्डी के रोग से ग्रस्त उम्मुल ने कभी सड़क पर तो कभी झुग्गीयों में अपना जीवन बिताया । इतना ही नहीं माँ के निधन के बाद सौतेली माँ के जुल्म और आठवी के बाद पढ़ाई न करने के फैसले ने उन्हें घर से अलग रहने पर मजबूर कर दिया । उनके लिए जीवन में पढ़ना और खुद के पैरों पर खड़े होने के आगे जीवन में कुछ नहीं चाहिए था ।

२०१६ में पहले प्रयास में ही UPSC में ४२० वा रैंक पानेवाली उम्मुल २८ साल की उम्र में १६ बार फ्रैंक्चर और ८ बार ऑपरेशन झेल चुकी है । २०१२ में हुए अकस्मात में वह इस तरह से घायल हुई की व्हीलचेर पर आ गई । लेकिन वह गभराई नहीं बल्कि अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ती रही ।

इस तरह गरीबी के बीच अपनी ज़िंदगी बितानेवाली, हड्डी की गंभीर समस्या का बचपन में शिकार बनी हुई और आठ से भी ज्यादा ऑपरेशन को झेलकर उम्मुल ने यह साबित कर दिया की अगर हौंसलो में दम है तो बिना पंखो के भी उड़ान भरी जा सकती है । उम्मुल खेर न केवल दिव्यांग लोगों के लिए आदर्श है बल्कि वह हर एक शारीरिक रुप से सक्षम व्यक्तिओं के लिए भी रॉल मोडल है ।

उम्मुल कहती है की उन्होंने हमेशा खुद को बहुत खुशकिस्मत माना क्योंकि मुश्किलों के हालात में भी उन्हें पढ़ने का मौका मिला । उम्मुल खेर की ज़िंदगी से एक ही बात उभर कर आती है की "मक्सद को पाने के लिए जूनुन होना चाहिए ।"

★ अब दिव्यांगो को भी मिलेगा अंत्योदय अन्न योजना (AAY) का लाभ :-

★ अंत्योदय अन्न योजना (AAY) के नये नियम जारी, दिव्यांगो को अब ३५ किलो अनाज प्रति परिवार मिलेगा :-

केन्द्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने अंत्योदय अन्न योजना में बदलाव किया है। अब दिव्यांगो को ३५ किलो अनाज प्रति परिवार प्रति माह मिल सकेगा। उसने अंत्योदय अन्न योजना को लेकर सभी सरकारो को दिल्ली हाईकोर्ट में निर्देशो का पालन करने को कहा है। अब सभी दिव्यांगो को अंत्योदय योजना अंतर्गत संम्मिलित किया जाएगा। अंत्योदय अन्न योजना मुख्य रूप से गरीबो के लिए आरक्षित है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब परिवारो को इस योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। इसमें अब दिव्यांगो को भी यह योजना का लाभ मिलेगा। अंत्योदय अन्न योजना (AAY) राशनकार्ड और प्राथमिकता वाले परिवार (PHH) राशनकार्ड के तहत कौन लाभार्थी होंगे, इसकी जिम्मेवारी राज्य सरकार पर है। अंत्योदय परिवार के लिए चुने गए आवेदक के परिवार को अंत्योदय राशन कार्ड मान्यता प्राप्त करने के लिए अद्वितीय कोटा कार्ड प्रदान किया जाएगा।

Antyodaya Anna Yojana 2020
अन्त्योदय अन्न योजना 2020 का उद्देश्य

★ केन्द्र सरकार ने योग्य दिव्यांग व्यक्तिओं को "खाद्य सुरक्षा कानून" में शामिल करने का राज्यो को निर्देश दिया :-

केन्द्रीय मंत्रालय ने २३ अगस्त, २०२० को सभी केन्द्र शासित प्रदेशो और राज्यो से सभी योग्य दिव्यांग व्यक्तिओं को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एन.एफ.एस.ए.) के तहत सबसीडी वाला खाद्यान्न मुहैया करवाने को कहा है। केन्द्र सरकार ने राज्यो और केन्द्रशासित प्रदेशो को पत्र लिखकर सभी पात्र दिव्यांगजनो को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-२०१३ के तहत लाने को कहा है।

मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा की एन.एफ.एस.ए. के तहत नहीं आनेवाले योग्य दिव्यांग व्यक्तिओं को नया राशन कार्ड जारी करने के लिए सभी राज्यो और केन्द्र शासित प्रदेशो से कहा गया है। उनसे यह भी कहा गया है की जिन दिव्यांग व्यक्तिओं के पास राशनकार्ड नहीं है, उन्हें "आत्मनिर्भर भारत पैकेज" योजना के तहत शामिल किया जाए।

भारत सरकार का आत्मनिर्भर भारत पैकेज उन व्यक्तिओं के लिए है, जो एन.एफ.एस.ए. या किसी भी राज्य योजना पी.डी.एस. कार्ड के अंतर्गत नहीं आते है। इसलिए दिव्यांग व्यक्ति बिना राशनकार्ड के भी आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत लाभ पाने के लिए पात्र है। अंत्योदय अन्न योजना श्रेणी के लोग राष्ट्रीय खाद्य योजना कानून के तहत कवर रहेंगे उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा है की राज्य सरकारो से यह भी आग्रह है की दिव्यांगजनो को "प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)" और आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत प्रति व्यक्ति ५ किलो अतिरिक्त मुफ्त अनाज वितरण का भी समुचित लाभ सुनिश्चित करे। NFSA के तहत ८१ करोड से अधिक लाभार्थीओं को रियायती दरो पर अनाज मिलता है। अंत्योदय अन्न योजना के लाभार्थी भी इसमें शामिल है।

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट
(N.G.O.)
संचालित
ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर
मानसिक दिव्यांग बच्चों के
लिए निःशुल्क तालीमी संस्था
शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करे
सुमेल ५, हाउस नं.: 48/डी, बिझनेश पार्क,
चामुंडा ब्रीज कोर्नर, असारवा,
अहमदाबाद-380 016
मो. : 99749 55125, 99749 55365